

RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

Key Point

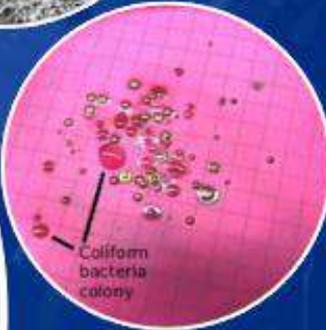
DATE

फरवरी

20

2025

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors



By Ankit Avasthi Sir

रुस और अमेरिका के शीर्ष राजनयिकों की मुलाकात / Top diplomats of Russia and America meet

संदर्भ:

रुस और अमेरिका के शीर्ष राजनयिकों ने **सऊदी अरब** में मुलाकात की, जिसमें **द्विपक्षीय संबंधों में सुधार और यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों** पर चर्चा हुई। ये वार्ता **राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी विदेश नीति में आए महत्वपूर्ण और त्वरित बदलाव** को दर्शाती है।

बैठक के मुख्य बिंदु:

- **यूक्रेन मुद्दे पर शांति समझौते के लिए टीमें गठित होंगी**, जो लगातार बातचीत करेंगी।
- **अमेरिका का उद्देश्य युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना** और सभी पक्षों को स्वीकार्य समाधान खोजना है।
- **यूक्रेन और यूरोप को भी शांति प्रयासों में शामिल किया जाएगा**, ताकि सभी प्रभावित पक्षों की सहमति से हल निकाला जा सके।

यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए शांति वार्ताएँ:

रुस-यूक्रेन युद्ध (2014-वर्तमान) और 2022 में शुरू हुए रुसी आक्रमण को रोकने के लिए कई दौर की शांति वार्ताएँ हुईं।

- **पहली वार्ता:** 28 फरवरी 2022 को बेलारुस में हुई, लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला।
- **दूसरी और तीसरी वार्ता:** 3 और 7 मार्च 2022 को बेलारुस-यूक्रेन सीमा पर हुईं।
- **चौथी और पाँचवीं वार्ता:** 10 और 14 मार्च 2022 को तुर्की के अंटाल्या में आयोजित की गईं।

रुस-यूक्रेन संघर्ष: पृष्ठभूमि और कारण-

रुस-यूक्रेन संघर्ष की पृष्ठभूमि:

- **राजनीतिक और व्यापारिक विवाद:** 2013 के अंत में, यूक्रेन के तत्कालीन रुस समर्थक राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच ने यूरोपीय संघ (EU) के साथ एक महत्वपूर्ण व्यापार और राजनीतिक समझौते को निलंबित कर दिया।
- **प्रदर्शन और यानुकोविच की विदाई:** इस फैसले के खिलाफ कीव (यूक्रेन की राजधानी) में यूरोमैदान आंदोलन शुरू हुआ, जो हिंसक हो गया। अंततः फरवरी 2014 में यानुकोविच को सत्ता से हटा दिया गया।
- **क्राइमिया पर रुसी कब्जा:** रुस ने यूक्रेन के क्राइमिया क्षेत्र पर कब्जा कर मार्च 2014 में इसे अपने में मिला लिया। रुस ने दावा किया कि वह वहां के रुसी-भाषी नागरिकों के हितों की रक्षा कर रहा है।
- **डोनेट्स्क और लुहांस्क में अलगाववादी आंदोलन:** क्राइमिया पर कब्जे के तुरंत बाद, यूक्रेन के डोनेट्स्क और लुहांस्क क्षेत्रों में रुस समर्थक अलगाववादियों ने स्वतंत्रता की घोषणा कर दी और डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक (DPR) तथा लुहांस्क पीपुल्स रिपब्लिक (LPR) नामक राज्य बना लिए।
- **रुस द्वारा मान्यता:** फरवरी 2022 में रुस ने आधिकारिक रूप से DPR और LPR को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया, जिससे संघर्ष और बढ़ गया।

संघर्ष के प्रमुख कारण:

1. **शक्ति संतुलन:** 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद से ही रुस और पश्चिमी देश यूक्रेन पर प्रभाव बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।
2. **यूक्रेन की भौगोलिक स्थिति:** अमेरिका और यूरोपीय संघ के लिए यूक्रेन, रुस और पश्चिमी देशों के बीच एक रणनीतिक बफर जोन का काम करता है।
3. **काला सागर की भौगोलिक महत्ता:** काला सागर (Black Sea) रुस के लिए सैन्य शक्ति और व्यापार मार्गों के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
4. **नाटो (NATO) विस्तार:** यूक्रेन ने नाटो की सदस्यता लेने की मांग की, जिसे रुस अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता है।
5. **सांस्कृतिक और भाषाई संबंध:** यूक्रेन और रुस के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, भाषाई और पारिवारिक संबंध रहे हैं, जो इस संघर्ष को और जटिल बनाते हैं।

संघर्ष से जुड़े प्रमुख घटनाक्रम:

- **मिंस्क समझौते (2014 और 2015):** यूक्रेन और रुस समर्थित अलगाववादियों के बीच शांति समझौते किए गए, लेकिन दोनों ही समझौते असफल रहे।
- **रुस का पूर्ण पैमाने पर हमला (2022):** फरवरी 2022 में रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में "विशेष सैन्य अभियान" शुरू करने की घोषणा की और यूक्रेन पर बड़ा हमला कर दिया।
- **युद्ध की स्थिरता और सीमित प्रगति (2023-2024):** 2023 तक युद्ध स्थिर हो गया, जिसमें सीमा पर छोटे स्तर की लड़ाइयां जारी रहीं। रुस ने यूक्रेन के कई शहरों पर हवाई और मिसाइल हमले किए। 2024 में यूक्रेन ने रुस के भीतर हमले शुरू किए, जिनमें कुर्स्क ओब्लास्ट में हमला शामिल था।

युद्ध का वैश्विक प्रभाव:

- इस युद्ध ने वैश्विक आर्थिक अस्थिरता बढ़ा दी और ईंधन और अनाज की कीमतों में वृद्धि हुई।
- यूरोपीय देशों ने रुस से तेल और गैस खरीदने पर प्रतिबंध लगा दिए।

चंद्रयान-3 हॉप प्रयोग / Chandrayaan-3 Hop Experiment

संदर्भ:

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद ISRO ने विक्रम लैंडर से एक अप्रत्याशित "हॉप" प्रयोग किया। इस प्रयोग में विक्रम लैंडर 40 सेंटीमीटर ऊँचाई तक उठा और 30-40 सेंटीमीटर दूर पुनः लैंड किया। हालांकि, चंद्रमा पर हॉप करना उतना आसान नहीं था।

- इस परीक्षण ने **चंद्र सतह पर लैंडर की पुनः सक्रियता और भविष्य में पुनः प्रयोज्य तकनीकों की संभावनाओं** को उजागर किया।

चंद्रयान-3 हॉप प्रयोग:

1. **विक्रम लैंडर की पुनः उड़ान** - चंद्रयान-3 का लैंडर 'विक्रम' अगस्त 2023 में चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरा। लैंडिंग के बाद उसमें कुछ अतिरिक्त प्रणोदक (propellant) बचा हुआ था।
2. **प्रयोग की प्रक्रिया** - इसरो ने बचा हुआ प्रणोदक उपयोग करने के लिए विक्रम के इंजन को फिर से प्रज्वलित किया। इससे लैंडर 40 सेमी ऊँचाई तक उठा और अपने पिछले स्थान से 30-40 सेमी दूर पुनः उतरा।
3. **अप्रत्याशित हॉप प्रयोग** - इस प्रयोग के दौरान विक्रम लैंडर ने अनायास ही 'हॉप' परीक्षण कर लिया, जिससे यह एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने में सक्षम साबित हुआ।
4. **महत्व** -
 - **भविष्य के मिशनों के लिए महत्वपूर्ण तकनीक** - इस प्रयोग ने साबित किया कि **इसरो लैंडर को फिर से उठाने और नियंत्रित रूप से उतारने में सक्षम है।**
 - **चंद्रमा से पृथ्वी वापसी की क्षमता** - यह तकनीक भविष्य में **ऐसे मिशनों के लिए उपयोगी होगी, जहां चंद्रमा से पृथ्वी पर वापसी की योजना होगी।**



ISRO प्रमुख वी. नारायणन ने इस प्रयोग की चुनौतियों और जटिलताओं को उजागर किया:

1. **चंद्रमा पर कम गुरुत्वाकर्षण** - पृथ्वी की तुलना में चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण सिर्फ **1/6 भाग** है, जिससे वहाँ सटीक नियंत्रण बनाए रखना कठिन था।
2. **संतुलन बनाए रखना** - हॉप के दौरान विक्रम लैंडर को **स्थिर और संतुलित रखना** जरूरी था, ताकि यह सही तरीके से पुनः लैंड कर सके।
3. **सटीक इंजन नियंत्रण** - लैंडर को **ठीक उतनी ही ऊँचाई तक उठाना और नियंत्रित रूप से उतारना** आवश्यक था, जिससे कोई तकनीकी समस्या न हो।
4. **भविष्य की संभावनाएँ** - इस प्रयोग ने साबित किया कि **चंद्रमा से भविष्य में लैंडर को उड़ाकर वापस पृथ्वी लाने की तकनीक विकसित की जा सकती है।**

चंद्रयान-3 मिशन:

- **इसरो का तीसरा चंद्र मिशन**, जिसे **2023 में लॉन्च** किया गया।
- **लॉन्च वाहन**: लॉन्च व्हीकल मार्क-3 (LVM3)।
- मिशन में **प्रोपल्शन मॉड्यूल, विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर** शामिल थे।
- **विक्रम लैंडर ने 23 अगस्त 2023 को चंद्रमा पर सफल लैंडिंग** की, जिससे इसरो की **सुरक्षित लैंडिंग और रोवर संचालन क्षमता सिद्ध हुई।**
- चंद्रयान-3 **चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के सबसे निकट उतरने वाला मिशन** बना।
- लैंडिंग स्थल चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव से लगभग 600 किमी दूर स्थित है।
- **प्रज्ञान रोवर** ने एक चंद्र दिवस (14 पृथ्वी दिन) तक कार्य किया, चंद्र नमूने एकत्र किए और डेटा पृथ्वी तक भेजा।
- **विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में "वर्चुअल लॉन्च कंट्रोल सेंटर"** ने लॉन्च की वास्तविक समय निगरानी की।
- **अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ (IAU)** ने विक्रम लैंडर के लैंडिंग स्थल का नाम **"स्टेरियो शिव शक्ति"** रखा।
- भारत **अमेरिका, रूस और चीन** के बाद चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बना और **दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश** बना।

ट्रंप ने यूक्रेन की नाटो सदस्यता को बताया अव्यावहारिक / Trump calls Ukraine's NATO membership impractical

संदर्भ:

अमेरिकी राष्ट्रपति **डोनाल्ड ट्रंप** ने **रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन** से बातचीत के दौरान **यूक्रेन के नाटो में शामिल होने की संभावना को अव्यावहारिक** करार दिया। ट्रंप का यह बयान **अमेरिकी विदेश नीति में एक बड़ा बदलाव** दर्शाता है, जो पिछली सरकारों द्वारा **यूक्रेन के नाटो सदस्यता समर्थन से हटने** की ओर इशारा करता है।

ट्रंप की नाटो में भंगात्मक भूमिका:

- **यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर असहमति:** ट्रंप का यूक्रेन की नाटो सदस्यता को नकारना अमेरिकी विदेश नीति में संभावित बदलाव को दर्शाता है।
- **नाटो की एकता पर असर:** यह रुख नाटो की एकजुटता को कमजोर कर सकता है।
- **रूस को बढ़ावा:** इससे रूस को पूर्वी यूरोप में अपने रणनीतिक उद्देश्यों को मजबूत करने का अवसर मिल सकता है।
- **बदलती अमेरिकी प्राथमिकताएँ:** न्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन (2025) में उपराष्ट्रपति वेंस ने यूक्रेन पर चर्चा से बचकर इस बदलाव को और स्पष्ट किया।

नाटो (NATO) - उत्तर अटलांटिक संधि संगठन:

परिचय:

नाटो (NATO) एक पश्चिमी सुरक्षा संगठन है, जिसे **4 अप्रैल 1949** को **12 संस्थापक सदस्यों** के साथ स्थापित किया गया था। इन सदस्य देशों ने **वॉशिंगटन संधि (Washington Treaty)** पर हस्ताक्षर किए, जो **संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 (Article 51 of the UN Charter)** पर आधारित है।

स्थापना का उद्देश्य: नाटो की स्थापना **शीत युद्ध (Cold War)** के दौरान **सोवियत विस्तारवाद (Soviet Expansionism)** को रोकने के लिए की गई थी।

नाटो की सदस्यता:

- **मूल संस्थापक देश (12 देश):** बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, फ्रांस, आइसलैंड, इटली, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड, नॉर्वे, पुर्तगाल, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका।
- **विस्तारित सदस्य देश:** समय के साथ नाटो का विस्तार हुआ और वर्तमान में इसके **32 सदस्य देश** हैं।

नाटो के उद्देश्य:

1. **सामूहिक रक्षा:** नाटो का मुख्य उद्देश्य **सामूहिक सुरक्षा** प्रदान करना है, जैसा कि **वॉशिंगटन संधि के अनुच्छेद 5 (Article 5)** में उल्लिखित है।
2. **राजनीतिक सहयोग:** इसका उद्देश्य **लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देना** और **रक्षा व सुरक्षा मामलों में सदस्य देशों के बीच परामर्श व सहयोग को मजबूत करना** है ताकि संघर्षों को रोका जा सके।
3. **सैन्य सहायता:** नाटो **सैन्य सहायता प्रदान करने** और **संकट प्रबंधन अभियानों** को अंजाम देने के लिए भी उत्तरदायी है, विशेष रूप से तब जब कूटनीतिक प्रयास विफल हो जाते हैं।

नाटो विस्तार और रूस की सुरक्षा चिंताएँ:

1. **नाटो:** सामूहिक रक्षा संगठन - नाटो (NATO) एक 32-सदस्यीय सैन्य गठबंधन है, जो सामूहिक रक्षा (Collective Defence) के सिद्धांत पर आधारित है। अनुच्छेद 5 (Article 5) के तहत, किसी एक सदस्य पर हमला पूरे गठबंधन पर हमला माना जाता है, जिससे संयुक्त सैन्य प्रतिक्रिया हो सकती है।
2. **रूस की सीमाओं के करीब नाटो का विस्तार** - नाटो के निरंतर विस्तार से यह रूस की सीमाओं के करीब पहुंच गया है, जिससे रूस और नाटो के बीच तनाव बढ़ा है।
3. **रूस का विरोध** - रूस लंबे समय से नाटो के विस्तार का कड़ा विरोध करता आया है, क्योंकि वह इसे सीधे अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानता है।
4. **पश्चिमी दबदबे का माध्यम** - रूस नाटो को पश्चिमी देशों का एक रणनीतिक उपकरण मानता है, जिसका उद्देश्य पूर्वी यूरोप में रूसी प्रभाव को सीमित करना है।
5. **यूक्रेन का नाटो में प्रवेश:** प्रमुख मुद्दा - यूक्रेन की नाटो सदस्यता की संभावना रूस की विदेश नीति और सैन्य कार्रवाइयों का एक प्रमुख कारण रही है।

नाटो विस्तार पर रूस का दृष्टिकोण:

1. **राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा** - रूस नाटो के विस्तार को पुरानी संधियों के उल्लंघन और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सीधा खतरा मानता है।
2. **सामूहिक रक्षा सिद्धांत** - नाटो चार्टर के अनुच्छेद 5 (Article 5) के तहत सामूहिक रक्षा सिद्धांत लागू होता है, जिसका अर्थ है कि यदि किसी एक सदस्य देश पर हमला होता है, तो पूरा नाटो गठबंधन, जिसमें अमेरिका भी शामिल है, सैन्य प्रतिक्रिया दे सकता है।
3. **मॉनरो सिद्धांत से तुलना** - प्रसिद्ध राजनीतिक वैज्ञानिक जॉन जे. मियर्शाइमर (John J. Mearsheimer) ने रूस के नाटो विस्तार विरोध को अमेरिकी मॉनरो सिद्धांत से जोड़ा है, जो पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व को बनाए रखने और विदेशी हस्तक्षेप का विरोध करने की नीति थी।
4. **यूक्रेन की नाटो सदस्यता का विरोध** - रूस लंबे समय से यूक्रेन के नाटो में शामिल होने का कड़ा विरोध कर रहा है, और यही उसकी विदेश नीति और सैन्य कार्रवाइयों का प्रमुख कारण भी रहा है।

फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया / Fecal Coliform Bacteria

संदर्भ:

सीपीसीबी (CPCB) द्वारा एनजीटी (NGT) को सौंपी गई रिपोर्ट के अनुसार, महाकुंभ 2025 के दौरान प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया का स्तर अत्यधिक पाया गया। यह जल गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है।

प्रयागराज में फीकल कोलीफॉर्म संदूषण (CPCB रिपोर्ट) के मुख्य बिंदु:

- अत्यधिक प्रदूषण:** फीकल कोलीफॉर्म का स्तर 2,500 यूनिट प्रति 100 मिलीलीटर की अनुमेय सीमा से अधिक पाया गया है।
- सीवेज प्रदूषण संकेतक:** फीकल कोलीफॉर्म सीवेज (गंदे पानी) के संदूषण का मुख्य संकेतक है।
- स्वास्थ्य जोखिम:** जल में अत्यधिक फीकल बैक्टीरिया की मौजूदगी डायरिया, टाइफाइड और कॉलरा जैसी जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ाती है।
- जलीय जीवन के लिए खतरा:** अत्यधिक कार्बनिक प्रदूषण से पानी में ऑक्सीजन की कमी होती है, जिससे जलीय जीवों का जीवन प्रभावित होता है।
- नदी की सेहत पर संकट:** यह संदूषण पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है, जिसे रोकने के लिए जल गुणवत्ता सुधार के उपाय जरूरी हैं।

फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया:

- परिचय** - कोलीफॉर्म बैक्टीरिया का एक समूह है जो गरम रक्त वाले जानवरों और मनुष्यों की आंतों में पाया जाता है।
- मूल स्रोत** - फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मुख्य रूप से मानव या पशु अपशिष्ट (मल) में मौजूद होते हैं।
- प्रदूषण संकेतक** - पानी में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की उपस्थिति यह दर्शाती है कि वह सीवेज या पशु अपशिष्ट से दूषित हो सकता है।
- हानिकारक प्रभाव** - सभी कोलीफॉर्म बैक्टीरिया हानिकारक नहीं होते, लेकिन इनकी मौजूदगी यह संकेत देती है कि पानी में अन्य खतरनाक रोगजनक (Pathogens) जैसे वायरस, परजीवी, साल्मोनेला (Salmonella), और ई.कोलाई (E. coli) मौजूद हो सकते हैं।
- उपयोग** - जल प्रदूषण की जांच में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया का उपयोग जल संदूषण के संकेतक के रूप में किया जाता है।

| Date | River | Location | pH (6.5 - 8.5) | Color (Hazen) | DO (≥ 5 mg/l) | Temp (°C) | Turbidity (NTU) | COD (mg/l) | BOD (≤ 3 mg/l) | Fecal Coliform (≤ 2500 MPN/100ml) |
|------------|--------|---|----------------|---------------|---------------|-----------|-----------------|------------|----------------|-----------------------------------|
| 04.02.2025 | Ganga | Shringverpur Ghat | 8.37 | 10 | 9.5 | 19.5 | 3 | 15.9 | 2.47 | <1.8 |
| | Ganga | Lord Curzon bridge | 8.42 | 10 | 9.3 | 19.5 | 39 | 16.5 | 2.52 | 200 |
| | Ganga | Before shastri bridge near Nagosaki Mandir Pantoon Pul No. 15 | 8.27 | 10 | 8.3 | 19.5 | 4.3 | 16.2 | 2.81 | 11000 |
| | Ganga | Sangam | 8.41 | 10 | 8 | 19.2 | 3 | 14.6 | 2.07 | 7900 |
| | Ganga | Deoha Ghat | 8.41 | 15 | 8.8 | 19.5 | 30 | 14.2 | 3.32 | 4900 |
| | Yamuna | Old Naim Bridge | 8.48 | 10 | 8.2 | 19.3 | 23 | 15.9 | 2.45 | 3300 |
| | Yamuna | Before confluence to river Ganga at Sangam | 8.32 | 15 | 8.1 | 19.3 | 13 | 12.1 | 2.51 | 4900 |

फीकल कोलीफॉर्म की मौजूदगी क्या दर्शाती है?

- जल स्रोतों में सीवेज प्रदूषण** - फीकल कोलीफॉर्म की उपस्थिति **सीवेज या मल जल से जल स्रोतों के प्रदूषित होने** का संकेत देती है।
- रोगजनक बैक्टीरिया की संभावना** - इसमें टाइफाइड, हेपेटाइटिस-A और गैस्ट्रोएंटेराइटिस जैसे **बीमारियां फैलाने वाले बैक्टीरिया और वायरस मौजूद हो सकते हैं।**
- खराब अपशिष्ट प्रबंधन** - सीवेज सिस्टम में **रिसाव, असंतुलित कचरा प्रबंधन और कृषि अपशिष्ट** का जल स्रोतों में मिलना जल प्रदूषण का कारण बनता है।

फीकल कोलीफॉर्म का BOD और COD पर प्रभाव:

- BOD (Biochemical Oxygen Demand) वृद्धि** -
 - फीकल कोलीफॉर्म **जैविक कचरे का अपघटन (decomposition) करता है**, जिससे घुले हुए ऑक्सीजन (DO) की खपत बढ़ जाती है।
 - यह **BOD के स्तर को बढ़ाता है**, जिससे **जल में ऑक्सीजन की कमी** होती है और जलीय जीवों का दम घुट सकता है।
- COD (Chemical Oxygen Demand) वृद्धि** -
 - सीवेज और औद्योगिक कचरे से आए हानिकारक रसायन** जल में मिलकर **COD बढ़ाते हैं।**
 - COD वृद्धि का मतलब **पानी में गैर-बायोडिग्रेडेबल प्रदूषकों की अधिकता** होती है, जो जल गुणवत्ता को खराब कर पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाती है।

ट्रेलगार्ड एआई / TrailGuard AI

संदर्भ:

ओडिशा के **सिमलीपाल टाइगर रिजर्व** में **एआई-सक्षम ट्रेलगार्ड कैमरों** की सफलतापूर्वक तैनाती की गई है, जिससे **शिकार की घटनाओं में 80% तक की कमी** दर्ज की गई है। यह तकनीकी नवाचार वन्यजीव संरक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

TrailGuard AI: वन्यजीव संरक्षण के लिए AI-आधारित प्रणाली:

1. परिचय:

- TrailGuard AI एक **एंड-टू-एंड (End-to-End) AI-आधारित कैमरा अलर्ट सिस्टम** है, जो वन्यजीव संरक्षण और मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व को बढ़ावा देता है।
- इसे **गुरुग्राम स्थित 'Nightjar Technologies'** ने विकसित किया है।

2. प्रमुख विशेषताएँ:

- यह स्वतः लक्ष्य पहचान कर वास्तविक समय में अलर्ट भेजता है, जिससे तेजी से प्रतिक्रिया संभव होती है।
- दो यूनिट से मिलकर बना है -**
 - कैमरा यूनिट** - पेन से भी छोटी।
 - बैटरी/कम्युनिकेशन यूनिट** - नोटपैड के आकार की।
- दोनों यूनिट **2 मीटर लंबे केबल** से जुड़ी होती हैं।

कार्यप्रणाली:

1. मूवमेंट डिटेक्शन (Movement Detection):

- AI-संचालित कैमरे कम ऊर्जा मोड (Low-Power Mode) में रहते हैं और केवल गति (Movement) का पता चलने पर सक्रिय होते हैं।

2. वस्तु वर्गीकरण (Object Classification):

- कैमरे में मौजूद **AI चिप** तस्वीर का विश्लेषण करता है और इसे तीन श्रेणियों में वर्गीकृत करता है:
 - पशु (Animal)
 - मनुष्य (Human)
 - वाहन (Vehicle)

3. त्वरित अलर्ट प्रणाली (Instant Alert System):

- यदि कोई खतरा (जैसे शिकारियों की गतिविधि) पता चलता है, तो **40 सेकंड के भीतर** कैमरा छवि नियंत्रण कक्ष (Control Room) को भेजता है।

4. त्वरित प्रतिक्रिया (Rapid Response)::

- वन अधिकारी इस सूचना को **WhatsApp और Very High Frequency (VHF) रेडियो** के माध्यम से साझा करते हैं, जिससे वन रेंजर्स (Forest Rangers) को तुरंत कार्रवाई के लिए भेजा जाता है।

5. पहचान और गिरफ्तारी (Identification & Arrest)

- खुफिया टीम (Intelligence Team) छवियों का विश्लेषण कर **शिकारियों की पहचान** करती है।
- संदिग्धों के घरों पर **छापेमारी (House Raids)** की जाती है और मुकदमे के लिए मामले आगे बढ़ाए जाते हैं।

मुख्य विशेषताएँ और कार्य:

1. कॉम्पैक्ट डिज़ाइन (Compact Design):

- पेन के आकार का कैमरा यूनिट और नोटपैड के आकार की बैटरी यूनिट, जो 2-मीटर लंबी केबल से जुड़ी होती हैं।
- इसे आसानी से छुपाया जा सकता है, जिससे शिकारियों को पकड़ने में मदद मिलती है।

2. लंबी बैटरी लाइफ (Long Battery Life):

- 6 महीने से 1 वर्ष तक कार्य करता है बिना बार-बार मेंटेनेंस की जरूरत के।

3. हाई-स्पीड ट्रांसमिशन:

- 30-40 सेकंड के भीतर कैमरा छवि को सेलुलर नेटवर्क (Cellular Network) के माध्यम से अधिकारियों तक पहुंचा देता है।

4. किफायती: प्रति यूनिट कीमत **₹50,000-53,000**, जिससे इसे बड़े पैमाने पर तैनात करना आसान बनता है।

5. व्यापक उपयोग (Wide Adoption):

- वर्तमान में **5 राज्यों के 14 स्थानों** पर स्थापित किया गया है।
- प्रमुख स्थान: **कान्हा टाइगर रिजर्व (मध्य प्रदेश)** और **दुधवा नेशनल पार्क (उत्तर प्रदेश)**।

भारत-कतर / India-Qatar

संदर्भ:

कतर के अमीर की **भारत यात्रा** के दौरान **व्यापार, ऊर्जा, निवेश, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा और जनसंपर्क** को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

- दोनों देश **अगले पांच वर्षों में व्यापार को दोगुना कर \$28 बिलियन तक पहुंचाने** और **भारत में \$10 बिलियन का कतरी निवेश आकर्षित करने** का लक्ष्य बना रहे हैं।

मुख्य निष्कर्ष (Key Outcomes):

- रणनीतिक साझेदारी समझौता (Strategic Partnership Agreement):** व्यापार, निवेश, सुरक्षा और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए समझौता।
- व्यापार विस्तार (Trade Expansion):** द्विपक्षीय व्यापार को \$14 बिलियन से बढ़ाकर \$30 बिलियन (2030 तक) करने की प्रतिबद्धता।
- ऊर्जा सहयोग (Energy Cooperation):** कतर एनर्जी (Qatar Energy) और पेट्रोनेट LNG के बीच 20 वर्षों का समझौता (2028 से LNG आपूर्ति शुरू)।
- निवेश बढ़ावा (Investment Boost):** कतर निवेश प्राधिकरण (QIA) द्वारा भारत के बुनियादी ढांचे, स्टार्टअप्स और हरित ऊर्जा (Green Energy) में \$10 बिलियन का निवेश।
- डिजिटल और वित्तीय एकीकरण (Digital & Financial Integration):**
 - कतर में UPI (Unified Payments Interface) को लागू करने का समझौता।
 - संशोधित दोहरा कराधान बचाव समझौता (Double Taxation Avoidance Agreement) पर हस्ताक्षर।

भारत-कतर द्विपक्षीय संबंध-

1. ऐतिहासिक संबंध और प्रवासी भारतीय समुदाय:

- भारत और कतर के संबंध **ऐतिहासिक संबंधों, उच्चस्तरीय संवाद और भारतीय प्रवासी समुदाय** के योगदान पर आधारित हैं।
- भारतीय प्रवासी कतर की प्रगति और सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

2. रक्षा सहयोग (Defence Cooperation):

- भारत-कतर रक्षा संबंधों** में शामिल हैं:
 - सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम
 - नौसेना दौरे
 - DIMDEX (Doha International Maritime Defence Exhibition) में भागीदारी
 - रक्षा सहयोग समझौता, जिसे 2018 में नवीनीकृत किया गया और संयुक्त रक्षा सहयोग समिति (JDCC) द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

3. व्यापार और निवेश संबंध (Commercial & Investment Relations):

- भारत-कतर द्विपक्षीय व्यापार (2022-23): US\$ 18.77 बिलियन।
- भारत से कतर को निर्यात: US\$ 1.96 बिलियन।
- भारत का कतर से आयात: US\$ 16.8 बिलियन।
- भारत कतर के शीर्ष तीन निर्यात गंतव्यों में शामिल है (अन्य दो चीन और जापान)।
- भारत कतर के शीर्ष तीन आयात स्रोतों में शामिल है (अन्य दो चीन और अमेरिका)।

4. ऊर्जा सहयोग (Energy Cooperation):

कतर, भारत का सबसे बड़ा LNG (Liquefied Natural Gas) आपूर्तिकर्ता है:

- 2022-23 में 10.74 MMT LNG की आपूर्ति (US\$ 8.32 बिलियन)।
- भारत के कुल LNG आयात में कतर की हिस्सेदारी 48%।

कतर, भारत का सबसे बड़ा LPG (Liquefied Petroleum Gas) आपूर्तिकर्ता है:

- 2022-23 में 5.33 MMT LPG की आपूर्ति (US\$ 4.04 बिलियन)।
- भारत के कुल LPG आयात में कतर की हिस्सेदारी 29%।

5. सांस्कृतिक सहयोग (Cultural Cooperation):

- दिसंबर 2023 तक कतर में भारतीय नागरिकों की संख्या- 8.35 लाख।
- कतर की कुल जनसंख्या में भारतीय समुदाय की हिस्सेदारी: 27%।
- कतर के श्रम सुधार (Labour Reforms):**
 - कफाला प्रणाली (Kafala System) समाप्त की गई।
 - नौकरी बदलने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया।
 - पासपोर्ट जब्त करने पर दंड का प्रावधान।
 - न्यूनतम वेतन प्रणाली लागू।
 - मजदूरों के अधिकारों की सुरक्षा मजबूत की गई।



भारत टेक्स 2025 / Bharat Tex 2025

संदर्भ:

भारत टेक्स 2025, भारत का सबसे बड़ा वैश्विक वस्त्र आयोजन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें भारतीय वस्त्र उद्योग की प्रगति और वैश्विक व्यापार संभावनाओं का प्रदर्शन किया गया।

- भारत सरकार का लक्ष्य 2030 तक वस्त्र निर्यात को ₹3 लाख करोड़ से बढ़ाकर ₹9 लाख करोड़ करना है, जिसके लिए नवाचार, स्थिरता और नीतिगत समर्थन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

Bharat Tex 2025: प्रमुख बिंदु

1. सरकार की दृष्टि को बढ़ावा:

- "फार्म टू फाइबर, फैब्रिक, फैशन और विदेशी बाजार" (Farm to Fibre, Fabric, Fashion, and Foreign Markets) पहल को तेज करने का मंच।

2. भागीदारी और उपस्थिति:

- 5,000+ प्रदर्शकों (Exhibitors) और 1,20,000+ व्यापारिक आगंतुकों (Trade Visitors) की भागीदारी।
- 120+ देशों के वैश्विक CEO, नीति निर्माता (Policymakers) और उद्योग जगत के नेता शामिल हुए।

भारत का वस्त्र उद्योग: प्रमुख बिंदु

1. वैश्विक स्थान:

- भारत विश्व का 6वां सबसे बड़ा वस्त्र निर्यातक (1. चीन, 2. बांग्लादेश, 3. वियतनाम)।
- 2023-24 में कुल निर्यात का 8.21% योगदान।
- वैश्विक व्यापार में 4.5% हिस्सेदारी।

2. प्रमुख बाजार:

- भारत के वस्त्र निर्यात का 47% अमेरिका और यूरोपीय संघ (EU) को जाता है।

3. रोजगार और सामाजिक प्रभाव:

- 45 मिलियन लोगों को प्रत्यक्ष और 100 मिलियन को परोक्ष रूप से रोजगार देता है।
- महिलाओं और ग्रामीण श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका।

4. सरकारी पहल का समर्थन:

- मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, महिला सशक्तिकरण, और ग्रामीण युवा रोजगार को बढ़ावा।

भारत में वस्त्र क्षेत्र को समर्थन देने वाली सरकारी योजनाएँ

1. पीएम मित्रा पार्क योजना:

- 7 मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित किए जाएंगे।
- \$10 बिलियन (लगभग ₹83,000 करोड़) का निवेश।
- विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ एकीकृत वस्त्र मूल्य श्रृंखला का निर्माण।

2. पीएलआई (Production Linked Incentive) योजना

- ₹10,683 करोड़ (~\$1 बिलियन) की प्रोत्साहन राशि।
- MMF (Man-Made Fiber) फैब्रिक्स, परिधान और तकनीकी वस्त्र के उत्पादन को बढ़ावा।

3. समर्थ योजना:

- मांग आधारित कौशल विकास कार्यक्रम।
- वस्त्र उद्योग में कुशल श्रमिकों की कमी को पूरा करने के लिए राज्य सरकारों के साथ साझेदारी।

4. राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षा मिशन:

- अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास और बाजार विकास को बढ़ावा।
- 2047 तक तकनीकी वस्त्रों को \$300 बिलियन तक पहुंचाने का लक्ष्य।

5. उदार राज्य नीतियाँ:

- राज्य सरकारों द्वारा पूंजी, वेतन और कौशल विकास प्रोत्साहन।
- निवेश आकर्षित करने और रोजगार बढ़ाने की नीति।

6. स्टार्टअप समर्थन:

- प्रत्येक स्टार्टअप को ₹50 लाख की सहायता।
- IIT इंदौर और NIT पटना में जियो-टेक्सटाइल और स्पोर्ट्स टेक्सटाइल के लिए ₹6.5 करोड़।

7. कौशल विकास:

- SITRA, NITRA और SASMIRA द्वारा मेडिकल, सुरक्षात्मक, मोबाइल और कृषि वस्त्रों के लिए उद्योग-केंद्रित प्रशिक्षण।



प्रधानमंत्री-आशा योजना / PM-AASHA

संदर्भ:

प्रधानमंत्री-आशा (PM-AASHA) योजना को 2025-26 तक बढ़ा दिया गया है ताकि कृषि उपज की खरीद प्रक्रिया को सुधारकर किसानों को उचित मूल्य सुनिश्चित किया जा सके।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (PM-AASHA) योजना:

शुरुआत: 2018 में न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक योजना के रूप में लॉन्च की गई।

उद्देश्य:

- किसानों को लाभकारी मूल्य प्रदान करना।
- कृषि क्षेत्र में मूल्य स्थिरता बनाए रखना।
- विशेष रूप से **दालों, तिलहनों और नारियल (Copra)** के लिए MSP सुनिश्चित करना।

PM-AASHA के प्रमुख घटक:

1. मूल्य समर्थन योजना (PSS – Price Support Scheme):

- दालों, तिलहनों और नारियल की सरकारी खरीद MSP पर की जाती है।
- केंद्रीय नोडल एजेंसियां (CNAs) राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर खरीद प्रक्रिया को संचालित करती हैं।
- सिर्फ "Fair Average Quality" (FAQ) मानकों को पूरा करने वाली उपज की खरीद होती है।

2. मूल्य कमी भुगतान योजना (PDPS – Price Deficiency Payment Scheme):

- किसानों को MSP और बाजार मूल्य के अंतर की सीधी भरपाई की जाती है।
- किसानों को पहले से पंजीकरण कराना अनिवार्य होता है।
- तिलहनों पर लागू लेकिन इसमें शारीरिक रूप से उपज की खरीद नहीं होती।
- नोटिफाइड मंडियों में पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया के तहत कार्यान्वयन।

3. निजी खरीद और भंडारण योजना (PPSS – Private Procurement & Stockist Scheme) (प्रायोगिक आधार पर):

- राज्यों को तिलहनों की खरीद में निजी स्टॉकिस्टों को शामिल करने की अनुमति।
- चयनित कृषि उपज बाजार समितियों (APMCs) या जिलों में लागू।

PM-AASHA योजना की उपलब्धियां:

1. खरीद संचालन का विस्तार:

- खरीफ 2024-25 सीजन के लिए 9 राज्यों में PSS के तहत 100% तूर (Tur), उड़द (Urad), और मसूर (Masur) की खरीद को मंजूरी।
- किसानों को MSP का लाभ सुनिश्चित करने के लिए सरकारी खरीद बढ़ाई गई।

2. खरीद लक्ष्य (Procurement Target):

- 13.22 लाख मीट्रिक टन (LMT) दालों की खरीद का लक्ष्य।
- अनेक राज्यों में किसानों को MSP पर अधिक खरीद का लाभ मिला।

3. किसानों को लाभ:

- अब तक 12,006 किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिला।
- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में 0.15 LMT तूर (Tur) की खरीद।
- प्रत्यक्ष खरीद से किसानों की आय में वृद्धि और मूल्य स्थिरता सुनिश्चित।

4. बाजार स्थिरता और आयात में कमी:

- बफर स्टॉक बनाए रखने से बाजार मूल्य अस्थिरता को रोका गया।
- घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित कर आयात निर्भरता घटाई।
- खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर दालें उपलब्ध कराई गईं।

PM-AASHA योजना के लाभ:

1. किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित
2. ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा
3. आयात निर्भरता में कमी
4. बाजार में स्थिरता
5. भंडारण और खरीद लागत में कमी

mRNA कैंसर वैक्सीन / mRNA Cancer Vaccine

संदर्भ:

रूस ने mRNA-आधारित व्यक्तिगत कैंसर वैक्सीन विकसित की है, जो 2025 की शुरुआत तक मरीजों के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। यह चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

mRNA (मैसेंजर RNA) क्या है?

- **mRNA (Messenger RNA)** एक प्रकार का RNA (राइबोन्यूक्लिक एसिड) है, जो DNA से अनुवांशिक जानकारी (genetic information) लेकर राइबोसोम तक पहुंचता है और प्रोटीन निर्माण को नियंत्रित करता है।
- यह **अमीनो एसिड (Amino Acids)** का सटीक अनुक्रम प्रदान करता है, जिससे कोशिका को यह पता चलता है कि कौन सा प्रोटीन बनाना है।
- DNA के विपरीत, mRNA कोशिका में स्थायी रूप से नहीं रहता, बल्कि प्रोटीन संश्लेषण (Protein Synthesis) के बाद नष्ट हो जाता है।
- **mRNA वैक्सीन (जैसे COVID-19 वैक्सीन):** ये कोशिकाओं को वायरस का हानिरहित प्रोटीन बनाने की जानकारी देती हैं, जिससे प्रतिरक्षा तंत्र (Immune System) सक्रिय होकर संक्रमण से बचाव करता है।

mRNA कैंसर वैक्सीन क्या है?

- mRNA कैंसर वैक्सीन एक प्रकार की इम्यूनोथेरेपी (Immunotherapy) है।
- ये mRNA (Messenger RNA) वैक्सीन आनुवांशिक निर्देश (Genetic Instructions) प्रदान करती हैं, जिससे शरीर की कोशिकाएँ एंटीजन (Antigen) बनाती हैं।
- ये एंटीजन प्रतिरक्षा प्रणाली (Immune System) को सक्रिय कर कैंसर कोशिकाओं की पहचान और उन पर हमला करने के लिए प्रशिक्षित करते हैं।

यह रोकथाम नहीं, उपचार है

- पारंपरिक टीकों की तरह यह कैंसर को रोकता नहीं है, बल्कि पहले से मौजूद कैंसर रोगियों के उपचार के लिए बनाया गया है।

mRNA कैंसर वैक्सीन के फायदे:

रसायन चिकित्सा (Chemotherapy) की तुलना में सुरक्षित:

- कीमोथेरेपी स्वस्थ और कैंसर दोनों प्रकार की कोशिकाओं को नष्ट कर देती है, जबकि इम्यूनोथेरेपी केवल कैंसर कोशिकाओं को निशाना बनाती है, जिससे हानिकारक दुष्प्रभाव कम होते हैं।

व्यक्तिगत (Personalized) उपचार: mRNA कैंसर वैक्सीन मरीज के ट्यूमर एंटीजन को लक्षित करती है, जिससे यह व्यक्ति विशेष के लिए अधिक प्रभावी हो सकती है।

mRNA वैक्सीन कैसे काम करती है?

- पारंपरिक वैक्सीन कमजोर या निष्क्रिय वायरस का उपयोग करके प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया (Immune Response) को उत्तेजित करती हैं।
- mRNA वैक्सीन अलग तरीके से काम करती हैं। ये कोशिकाओं को आनुवांशिक निर्देश (Genetic Instructions) प्रदान करती हैं, जिससे वे वायरस के हानिरहित प्रोटीन (जैसे COVID-19 में स्पाइक प्रोटीन) का निर्माण करती हैं।
- **भारत में स्वीकृत mRNA वैक्सीन:**
 - **GEMCOVAC-OM** (ओमिक्रॉन-विशिष्ट)
 - **GEMCOVAC-19**
 - इन्हें **Gennova Biopharmaceuticals** ने **DBT-BIRAC** के सहयोग से विकसित किया है।
 - ये थर्मोस्टेबल (Thermostable) हैं और बिना सुई (Needle-free) के दी जा सकती हैं।

प्रतिरक्षा प्रणाली की प्रतिक्रिया:

1. शरीर इस प्रोटीन को विदेशी तत्व मानकर उस पर हमला करना सीखता है।
2. अगर असली वायरस या कैंसर कोशिकाएँ शरीर में प्रवेश करती हैं, तो प्रतिरक्षा प्रणाली पहले से तैयार रहती है और उन्हें नष्ट कर देती है।

mRNA-आधारित कैंसर वैक्सीन का महत्व:

1. कैंसर उपचार में क्रांतिकारी बदलाव
2. परिशुद्ध चिकित्सा (Precision Medicine) में प्रगति
3. बहु-कैंसर अनुप्रयोग की संभावना
4. प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में सुधार

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !



ANKIT AVASTHI



RRB NTPC

TEST SERIES

- ✓ 100+ Mock Test
- ✓ 78 Sectional Test
- ✓ 40+ years PYPs
- ✓ 60+ Current affairs

TEST



Only

99 *Per Year*

Buy Now



GA FOUNDATION

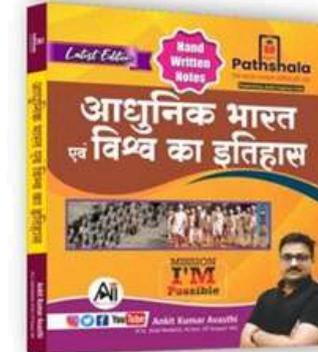
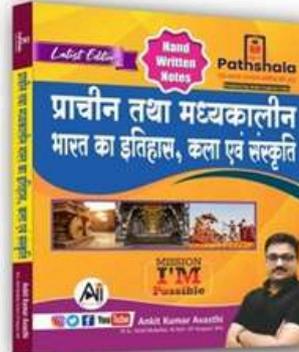
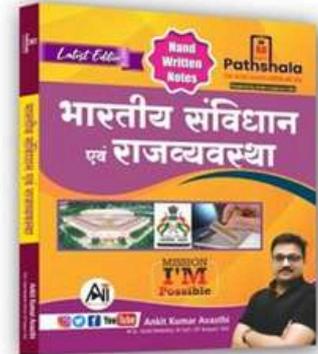
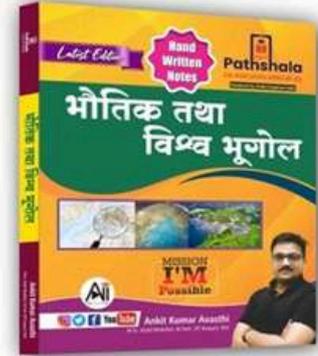
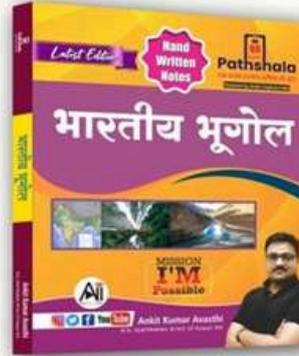
Hand Written
Notes


Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर


Ani
Ankit Inspires India

₹ **Only**
1999

**4 पुस्तकों का
सम्पूर्ण सेट**



अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

 **7878158882**



APNI PATHSHALA

UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP

TEST SERIES

UPPSC

(TEST SERIES)

- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

RO/ARO

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

BPSC

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299
YEAR

SSC

(TEST SERIES)

- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR

RPF

(TEST SERIES)

- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR



Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

▶ POLITY ▶ ECONOMICS
▶ HISTORY ▶ GEOGRAPHY

FOR ALL

 DAILY LIVE CLASSES

 WEEKLY TEST

 CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)

 LIVE DOUBT SESSIONS

 DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs

4999/-



Apni Pathshala  7878158882

 Apni.Pathshala  kaankit  AnkitAvasthiSir  Avasthiankit

ONLY POLITY



1499
RS

DAILY LIVE CLASSES

-  WEEKLY TEST
-  CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
-  LIVE DOUBT SESSIONS
-  DAILY PRACTISE PROBLEM

Apni Pathshala



7878158882



Apni.Pathshala



kaankit



AnkitAvasthiSir



Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)



Only at

99/- Year

Enroll Now!

